4 जनवरी 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर में ठंड का कहर : 8 डिग्री पर पहुंचा पारा, कोल्ड डे से जनजीवन हुआ बेहाल

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एक नजर

डॉक्टर अब बनेंगे शोधकर्ता, केंद्र सरकार की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली। भारत में स्वास्थ्य शोध को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाते हुए 6,640 नई फेलोशिप, ट्रेनिंग प्रोग्राम और स्टार्ट अप रिसर्च ग्रांट की घोषणा की है। यह पूरा ब्लूप्रिंट दिसंबर 2025 में जारी संशोधित दिशानिदेर्शों में शामिल है जिसके तहत पहली बार मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और राष्ट्रीय संस्थानों को जोड़कर देशभर में रिसर्चर तैयार करने का बड़ा मिशन शुरू किया है।सरकार का मकसद है कि क्लिनिकल सर्विस देने वाले डॉक्टर अब रिसर्चर और साइंटिस्ट की भूमिका भी निभाएं ताकि भारत अपने स्वास्थ्य समाधान खुद तैयार कर सके। नई दिल्ली स्थित स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नई गाइडलाइन में एमबीबीएस और पीजी छात्रों पर सबसे बड़ा फोकस है।आने वाले दो वर्षों में चार हजार से अधिक एमबीबीएस व बीडीएस छात्रों को रिसर्च फेलोशिप दी जाएगी जिन्हें छह महीने तक किसी मान्यता प्राप्त प्रोजेक्ट पर काम करना होगा और लगभग 60 हजार रुपये तक का मानदेय मिलेगा।

मतदान से पहले महायुति के 68 प्रत्याशी निर्विरोध जीते

मुंबई। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले भाजपा और महायुति गठबंधन के सहयोगियों ने 68 सीटें निर्विरोध जीत ली है। इसमें अकेले भाजपा के 44 उम्मीदवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 22 और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दो उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने उन नगर निकायों से रिपोर्ट मांगी है, जहां सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में शुक्रवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने शुक्रवार देर शाम को बताया कि भाजपा और महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जो नगर निकाय के चुनाव में पार्टी की बढ़ती ताकत और लोकप्रियता को दर्शाता है।

प्रयागराज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ भव्य मेले का शुभारंभ

- 3 जनवरी से शुरू होकर महाशिवरात्रि 15 फरवरी तक चलेगा स्नान
- पहले दिन 25-30 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में किया स्नान

एजेंसी। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हो गया है। संगम तट की ओर तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पहले ही दिन मेले क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। सुबह 10 बजे तक 9 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। माघ मेला पौष पूर्णिमा 3 जनवरी से शुरू होकर महाशिवरात्रि 15 फरवरी 2026 तक चलेगा। वहीं माघ मेला 2026 पर मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि 25-30 लाख लोग स्नान किए है। माघ मेले की प्रशासन ने पूर्व में ही तैयारी पूरी क ली थी। घाट तैयार हैं। साइन बोर्ड लगा दिए गए हैं। डायवर्जन 12 बजे के करीब लागू कर दिया जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि माघ मेले को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने महाकुंभ में जो अनुभव किया था कि बहुत सारे श्रद्धालु ना केवल प्रयागराज बल्कि प्रयागराज के आसपास के मुख्य तीर्थ स्थल बनारस, अयोध्या और चित्रकूट में भी जाना चाहते हैं, तो इसके लिए हमने रिंग रेल सुविधा शुरू कर दी है। इसके अलावा श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हम लगातार मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने के लिए तैयार हैं। हमारे स्टेशन के प्रोटोकॉल महाकुंभ के तर्ज पर ही हैं.यात्रियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं.लोगों की सुरक्षा के लिए 1000 से अधिक आरपीएफ कर्मियों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी भी लगाए गए हैं।

तैनात है अतिरिक्त अर्धसैनिक

माघ मेला स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना नहीं कर पड़े। इसके लिए 45,000 से अधिक पुलिसकर्मी को तैनात किया गया है। साथ ही अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पूरे मेला क्षेत्र को 2,750 से अधिक सक्षम सीसीटीवी कैमरों से कवर किया गया है, जो न केवल भीड़ नियंत्रण बल्कि संदिग्ध गतिविधियों और गुमशुदा लोगों की पहचान करने में भी मदद कर रहे हैं। जल मार्ग की सुरक्षा के लिए पहली बार अंडरवॉटर ड्रोन्स और सोनार सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जबकि नभ से निगरानी के लिए टीदर ड्रोन्स और एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय किए गए हैं।

गांधीनगर में टाइफाइड का कहर 100 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

एजेंसी। गांधीनगर

गुजरात की राजधानी गांधीनगर में टाइफाइड के मामलों में अचानक तेज बढ़ोतरी से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। बीते तीन दिनों में 100 से अधिक लोग, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं, गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और सरकार दोनों स्तर पर त्वरित कदम उठाए गए हैं।गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने शनिवार को सिविल अस्पताल पहुंचकर हालात की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि फिलहाल 104 संदिग्ध टाइफाइड मरीज भर्ती हैं और सभी का इलाज जारी है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जिले के कलेक्टर से फोन पर कई बार बात कर स्थिति की जानकारी ली और शाम को दोबारा समीक्षा करने की बात कही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मरीजों के इलाज के लिए 22 डॉक्टरों की विशेष टीम बनाई गई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी इंतजाम किया गया है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें डिप्टी कलेक्टर भी शामिल हैं, को मौके पर निगरानी के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी तरह की लापरवाही न हो। सिविल अस्पताल की मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. मीता पारिख ने बताया कि सेक्टर-24, 25, 26, 28 और आदिवाड़ा इलाके से मरीज सामने आए हैं।

पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरूआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पाकर हम सभी धन्य'

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने-आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है।

'पूरी मानवता का है भगवान बुद्ध का मार्ग'

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बीते कुछ महीनों में भगवान बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध सबके हैं सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है।

बुद्ध के प्रारंभिक जीवन से जुड़ा है पिपरहवा

पिपरहवा, सिद्धार्थनगर (यूपी) में स्थित एक प्राचीन बौद्ध स्थल है, जिसे भगवान बुद्ध के प्रारंभिक जीवन से जुड़ा माना जाता है। वर्ष 1898 में ब्रिटिश इंजीनियर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने एक स्तूप की खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों की खोज की थी। औपनिवेशिक काल में इनमें अधिकांश अवशेष कोलकाता के इंडियन म्यूजियम में रखे गए, जबकि कुछ अवशेष पेप्पे के वंशजों के पास चले गए और विदेश पहुंच गए। करीब 127 वर्ष बाद, जुलाई 2025 में इन्हीं

अंडमान-निकोबार को अमित शाह ने 373 करोड़ का दिया सौगात

एजेंसी। श्रीविजयपुरम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जोर देकर कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 10 वर्षों में देश के खजाने में एक प्रमुख योगदानकर्ता बन जाएगा। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की है कि दो वर्षों में भारत वर्तमान में चौथे स्थान से आगे बढ़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है । दरअसल, अमित शाह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 373 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे, जिसे उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में एक 'तीर्थ स्थल'

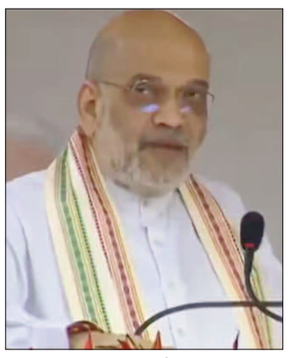

बताया। द्वीपसमूह में अंतरराष्ट्रीय माल ढुलाई परियोजना, तेल अन्वेषण परीक्षण और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि द्वीपों के इस समूह को कभी देश के खजाने पर बोझ माना जाता था। श्री विजयपुरम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इन 11 वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, वह भारतीय जनता पार्टी की देश की हर इंच भूमि को भारत माता मानने की अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है। इसी पहल के तहत आज नौ प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और दो अन्य परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। एक ही दिन में 373 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इसमें 229 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र भी शामिल है, जो सुरक्षा उद्देश्यों के लिए एक व्यापक एकीकृत है।

छतीसगढ़ में 14 नक्सलियों की मुठभेड़ में मौत

एजेंसी। सुकमा

किस्टाराम इलाके में सीआरपीएफ के जवानों को माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई मुठभेड़ में कुख्यात डीवीसीएम मंगडु को मार गिराया गया है। सूत्रों के अनुसार इस ऑपरेशन में कुल 12 माओवादियों के मारे जाने की जानकारी है। मुठभेड़ स्थल से एके-47 और इंसास राइफल बरामद की गई है।इलाके में सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन फिलहाल जारी है और हालात पर नजर रखी जा रही है। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ों में अब तक 14 माओवादी ढेर कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई सुकमा और बीजापुर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर चल रहे दो बड़े एंटी-नक्सल ऑपरेशनों के दौरान हुई. सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन फिलहाल जारी है और आंकड़ा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सुकमा जिले के दक्षिणी क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान सुबह तड़के फायरिंग शुरू हुई, जो रुक-रुक कर चलती रही। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक सुकमा में 14 नक्सलियों को मार गिराया गया है। मौके से कई शव बरामद किए गए हैं. अधिकारी ने साफ किया कि ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है और पूरे इलाके की गहन सर्चिंग की जा रही है।

बन्नी बाजार में सुनियोजित चोरी की बड़ी वारदात, लाइट बुझाकर शटर तोड़ा, ग्रामीणों की फायरिंग से भागे चोर

- सीसीटीवी निष्क्रिय कर उखाड़ी तिजोरी, 20 हजार नकद व कीमती सामान ले उड़े बदमाश, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

केटी न्यूज/राजपुर

धनसोई थाना क्षेत्र अंतर्गत बन्नी बाजार में शुक्रवार की देर रात चोरों ने जिस तरह सुनियोजित तरीके से चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया, उसने पूरे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर

दिए हैं। अज्ञात चोरों ने पहले बाजार को अंधेरे में डुबोया, फिर तकनीकी साधनों को निष्क्रिय कर बर्तन एवं ज्वेलर्स दुकान का शटर तोड़कर हजारों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुकानदार कमलेश सेठ रोज की तरह शुक्रवार की शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। रात गहराते ही चोर सक्रिय हुए। सबसे पहले दुकान के आसपास जल रहे इलेक्ट्रिक बल्ब और कुछ ही दूरी पर लगे सोलर लाइट को बुझाया गया। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी प्रभावित कर दिया गया, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। यह साफ दशार्ता है कि चोरी की इस घटना को पूरी तैयारी और रेकी के बाद अंजाम दिया गया।

चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में प्रवेश किया और अंदर रखी तिजोरी को ही निशाना बनाया। तिजोरी को टांग कर बाहर ले जाया गया, जबकि काउंटर में रखे करीब 20 हजार रुपये नकद, कीमती बर्तन और जरूरी सामान चोरी कर लिया गया। इसके बाद तिजोरी को करीब 500 मीटर दूर ले जाकर तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था, तभी ग्रामीणों की नजर पड़ गई।

ग्रामीणों ने शोर मचाया तो चोरों ने डटकर मुकाबला करने की कोशिश की। हालात बिगड़ते देख गांव के लोगों ने लाइसेंसी हथियार से हवा में करीब छह राउंड फायरिंग की। फायरिंग के बाद चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल हो गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और ग्रामीणों से पूछताछ की। शनिवार सुबह होते ही बाजार में दहशत का माहौल रहा। दुकानदारों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जिला पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा, अनिल सिंह, अशोक सिंह, जयशंकर सिंह, गोरख सिंह, धर्मेंद्र केसरी समेत अन्य लोगों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए बाजार में स्थायी पुलिस गश्त और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

थानाध्यक्ष रितेश कुमार दूबे ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। एसडीपीओ के निर्देश पर दुकानदारों और ग्रामीणों के साथ बैठक कर चोरी जैसी घटनाओं पर सख्ती से नकेल कसने की रणनीति बनाई जाएगी। बाजार में हुई यह वारदात न सिर्फ एक चोरी है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक का आईना भी है।

पूरा दिन नहीं निकले सूर्य, पछिया हवा ने बढ़ाई कनकनी

बक्सर में ठंड का कहर : 8 डिग्री पर पहुंचा पारा, कोल्ड डे से जनजीवन हुआ बेहाल

- सड़कों पर छाया सन्नाटा, आदमी से लेकर पशु-पक्षी तक परेशान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में ठंड ने अब अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को जिले में पूरे दिन कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। न्यूनतम तापमान गिरकर 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया। दिनभर आसमान में बादलों की चादर छाई रही और सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए, जिससे ठंड का असर और अधिक बढ़ गया।

शनिवार की सुबह जिलेवासियों के लिए खासा मुश्किल भरी रही। सुबह के समय ओस की बूंदें बारिश की तरह गिरती नजर आईं। इस कारण लोगों को दैनिक दिनचर्या के

कार्यों को निपटाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। खेतों, सड़कों और खुले स्थानों पर नमी के कारण फिसलन की स्थिति बनी रही, जिससे लोग घरों से बाहर निकलने से बचते दिखे। दिन चढ़ने के साथ पछिया हवा ने ठंड की तीव्रता को और बढ़ा दिया। तेज और सर्द हवाओं के चलते कनकनी पूरे दिन बनी रही। हालात ऐसे हो गए कि लोग बेहद जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। दोपहर तक शहर की प्रमुख सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। आम दिनों में जहां चहल-पहल रहती है, वहां वीरानी नजर आई।

बक्सरझपटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर भी ठंड का असर साफ दिखा। इस व्यस्त मार्ग पर सामान्य दिनों में वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं, लेकिन शनिवार को दोपहर तक इक्का-दुक्का वाहन ही गुजरते नजर आए। ठंड के कारण यात्रियों और वाहन चालकों ने भी सफर से दूरी बनाए रखी।

शीतलहर का प्रभाव केवल इंसानों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पशु-पक्षी भी इससे बेहाल नजर आए। ठंड से बचने के लिए पशुपालक अपने मवेशियों को खुले में निकालने से परहेज करते दिखे। वहीं पक्षी भी ठिठुरते हुए पेड़ों और सुरक्षित ठिकानों में दुबके नजर आए। लगातार धूप नहीं निकलने से झुग्गी-झोपड़ी और खुले स्थानों में रहने वाले गरीब तबके की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

हालांकि जिला प्रशासन की ओर से शीतलहर से बचाव के लिए जगह-जगह अलाव जलवाने और जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद गरीब और बेसहारा लोग सर्द थपेड़ों की मार से बेजार नजर आ रहे हैं। खासकर रात के समय ठंड और अधिक बढ़ जाने से उनकी परेशानी दोगुनी हो जा रही है।

ठंड और शीतलहर का असर स्वास्थ्य पर भी साफ दिखाई देने लगा है। मौसम में अचानक आई गिरावट के कारण लोग मौसम जनित बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जिले के अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इसके साथ ही शुगर और बीपी से पीड़ित मरीजों को भी अधिक परेशानी हो रही है।

डुमरांव के प्रसिद्ध फिजिशियन डॉक्टर शैलेश श्रीवास्तव ने लोगों को शीतलहर से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य के लिए गंभीर साबित हो सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि भरपूर गर्म कपड़े पहनें, ठंडी हवा से बचें और बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। साथ ही बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड से फिलहाल राहत मिलने की संभावना कम है। ऐसे में बक्सर जिले के लोगों को अभी और सतर्कता बरतनी होगी, ताकि ठंड के इस प्रकोप से खुद को सुरक्षित रखा जा सके।

एक नजर

गहने, नकदी और मासूम के साथ फरार हुई विवाहिता, गांव के युवक पर अपहरण का आरोप, एफआईआर दर्ज

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से सामने आई घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। एक विवाहिता अपने ससुराल से करीब दो लाख रुपये के गहने, 20 हजार रुपये नगद और अपने दो साल के मासूम बच्चे को लेकर गांव के ही एक युवक के साथ फरार हो गई। पति के बयान पर पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पीड़ित पति ने आरोप लगाया है कि 28 दिसंबर को उसकी पत्नी यह कहकर घर से निकली थी कि वह बच्चे को दवा दिलाने डुमरांव जा रही है। लेकिन देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो पति को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उसने अपनी सास से संपर्क किया और पूछा कि क्या उसकी पत्नी वहां पहुंची है। सास ने साफ तौर पर इनकार करते हुए गहनों की स्थिति देखने को कहा। जब पति ने घर में रखे गहनों और नकदी की जांच की तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। अलमारी से करीब दो लाख रुपये के जेवर और 20 हजार रुपये नगद गायब थे। अगले दिन, 29 दिसंबर को गांव में चर्चा के दौरान उसे जानकारी मिली कि गांव का ही एक युवक उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर फरार हो गया है। पीड़ित पति का आरोप है कि युवक ने पहले से ही साजिश के तहत उसकी पत्नी को अपने प्रभाव में लिया और फिर मौका पाकर उसे गहनों, नकदी और मासूम बच्चे समेत लेकर फरार हो गया। घटना के बाद से महिला, बच्चा और आरोपी युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय थाना पुलिस ने युवक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही फरार महिला व आरोपी युवक को बरामद कर लिया जाएगा। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं और लोगों में पुलिस कार्रवाई को लेकर उम्मीदें टिकी हुई हैं।

ठंड में बिजली की अनियमित ट्रिपिंग से जनजीवन प्रभावित, किसान भी परेशान

केसठ। प्रखंड क्षेत्र में बीते कई दिनों से बिजली की अनियमित आपूर्ति और बार बार हो रही ट्रिपिंग ने आम लोगों के साथ साथ किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। कड़ाके की ठंड के बीच बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। रात के समय बिजली नहीं रहने से हीटर, बल्ब सहित अन्य आवश्यक उपकरण बेकार हो जा रहे हैं, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को खासा दिक्कत झेलनी पड़ रही है।किसानों का कहना है कि बिजली की आंख मिचौली के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। समय पर खेतों में पानी नहीं पहुंच पाने से रबी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कई गांवों में दिन में कई बार और रात में भी घंटों बिजली गुल रहने से लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र स्थायी समाधान कर नियमित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई अवनीश कुमार ने बताया कि विभाग को आवश्यकता के अनुरूप बिजली नहीं मिल पा रही है। शहरी क्षेत्रों में बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण वहां अधिक बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त बिजली आपूर्ति के लिए वरीय पदाधिकारियों से मांग की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को भी राहत मिल सके।

शीतलहर से बचाव की जानकारी से अवगत हुए बच्चे

केसठ। प्रखंड क्षेत्र के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में शनिवार को विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत ह्वसुरक्षित शनिवारह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में मध्य विद्यालय केसठ में बच्चों को शीतलहर से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।विद्यालय के फोकल शिक्षक ने बच्चों को बताया कि शीतलहर के दौरान वातावरण के तापमान में अचानक गिरावट आ जाती है, जिससे बच्चों एवं बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में शरीर को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े पहनना अत्यंत आवश्यक है। ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए तथा हल्के गर्म पानी का सेवन और स्नान करना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की भी जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि शीतलहर के समय अकेले रहने वाले लोगों एवं बुजुर्गों की विशेष देखभाल करनी चाहिए। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर का दरवाजा अनावश्यक रूप से नहीं खोलने की सलाह दी गई।

नववर्ष पर बसपा में भूचाल, अनुशासन के नाम पर बड़ी सियासी सर्जरी

केटी न्यूज/बक्सर

नववर्ष की शुरूआत बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए बड़े सियासी धमाके के साथ हुई है। संगठनात्मक अनुशासन का हवाला देते हुए पार्टी ने एक साथ तीन प्रमुख नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाकर यह साफ कर दिया है कि अब बसपा में ढिलाई के लिए कोई जगह नहीं है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला अध्यक्ष महावीर यादव ने कार्रवाई करते हुए सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अभिमन्यु सिंह कुशवाहा, पूर्व प्रदेश महासचिव जे.पी. यादव और नेता रमेश राजभर को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। जिला अध्यक्ष द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में इन नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि तीनों नेताओं ने पार्टी के भीतर अनुशासनहीनता बरती, गुटबाजी को बढ़ावा दिया और अन्य राजनीतिक दलों से साठगांठ कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे। प्रदेश नेतृत्व ने इन गतिविधियों को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक एकता और अनुशासन के लिए घातक मानते हुए तत्काल और कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बसपा ने साफ शब्दों में संदेश दिया है कि पार्टी की छवि से समझौता करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। नेतृत्व का कहना है कि चाहे नेता कितना ही बड़ा क्यों न हो, यदि वह पार्टी लाइन से हटकर काम करेगा तो कार्रवाई तय है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब पार्टी संगठन को फिर से मजबूत करने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। निष्कासित नेता जे.पी. यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जिस वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई, उसमें कई लोग शामिल थे, लेकिन कार्रवाई सिर्फ कुछ चुनिंदा नेताओं पर ही क्यों की गई। उन्होंने इसे अतिपिछड़े वर्ग को निशाना बनाए जाने से जोड़ते हुए फैसले की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद बक्सर जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। जहां पार्टी समर्थक इसे अनुशासन स्थापित करने की दिशा में मजबूत कदम बता रहे हैं, वहीं विरोधी खेमे में इसे आंतरिक असंतोष और संगठनात्मक टकराव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। साफ है कि नववर्ष की यह कार्रवाई आने वाले दिनों में बसपा की अंदरूनी राजनीति और समीकरणों को नई दिशा देने वाली साबित हो सकती है।

जच्चा बच्चा की मौत मामले में स्वजनों ने थाने में दिया लिखित आवेदन, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के एक निजी अस्पताल में प्रसव के तुरंत बाद जच्चा-बच्चा की मौत का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। इस मामले में शनिवार को मृतका उषा देवी के पति राजेश कानू ने डुमरांव थाने में आवेदन दे निजी अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने तथा अपने पंचायत की आशा कार्यकर्ता जानकी देवी पर अनुमंडलीय अस्पताल ले जाने के बदले झांसा दे निजी अस्पताल में लेकर जाने का आरोप लगाया है।

आवेदन मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आवेदन मिला है मामले की जांच की जा रही है। वही, राजेश का कहना है कि वे इस मामले में चुप नहीं बैठेंगे बल्कि इस मामले की शिकायत सिविल सर्जन, बक्सर डीएम व स्वास्थ्य मंत्री से करेंगे। थाना में आवेदन देने के बाद

मीडिया के बातचीत के दौरान मृतका के स्वजनों का कहना था कि घटना के दिन डायल 112 पर फोन कर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई थी। गौरतलब हो कि एक जनवरी को मठिला की उषा देवी को प्रसव पीड़ा के बाद पंचायत की आशा जानकारी देवी ने झांसा दे अनुमंडलीय अस्पताल के बदले डुमरांव के एक निजी अस्पताल में लेकर चली गई, जहां प्रसव के कुछ समय बाद ही जच्चा-बच्चा की मौत हो गई थी। इसके बाद अस्पतालक एंबुलेंस बुला उन्हें सदर अस्पताल बक्सर ले जाने को कहे, जबकि अस्पताल में ही जच्चा-बच्चा की मौत हो चुकी थी। इधर घटना के बाद से अस्पताल संचालक अपना बोर्ड उखाड़ फरार हो गए है। अब देखना है कि स्वजनों द्वारा इस मामले में लिखित शिकायत देने के बाद पुलिस क्या कार्रवाई कर रही है।

मार्जिन मनी भुगतान में देरी से जन वितरण प्रणाली चरमराई, डीलर आंदोलन की चेतावनी

- छह माह से बकाया भुगतान, आर्थिक संकट से जूझ रहे पीडीएस दुकानदार, राज्यस्तरीय निर्णय का करेंगे पालन

केटी न्यूज/डुमरांव

जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की रीढ़ माने जाने वाले डीलर आज खुद अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। बीते छह माह से मार्जिन मनी का भुगतान नहीं होने के कारण डुमरांव अनुमंडल के फेयर प्राइस दुकानदार गंभीर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि कई डीलर भूखमरी के कगार पर पहुंचने की बात कह रहे हैं। इसके बावजूद डीलरों ने अब तक राशन वितरण व्यवस्था को प्रभावित नहीं

होने दिया है। इसी समस्या को लेकर रविवार को डुमरांव अनुमंडल के जन वितरण प्रणाली डीलरों की एक महत्वपूर्ण बैठक मां डुमरेजिन मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के बैनर तले हुई, जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष भुटेश्वर सिंह ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता हीरालाल ने किया।

बैठक में डीलरों ने एक स्वर में कहा कि जुलाई 2025 से लगातार मार्जिन मनी का भुगतान बंद है। हर माह संबंधित विभाग और अधिकारियों से केवल आश्वासन मिल रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई समाधान नहीं निकल पा रहा। डीलरों ने सवाल उठाया कि जब उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल रहा, तो आखिर किस आधार पर उनसे निर्बाध सेवा की उम्मीद की जा रही है। डीलरों का कहना है कि राशन उठाव, दुकान संचालन, परिवहन और अन्य खर्च वे अपनी जेब से वहन कर रहे हैं। ऐसे में परिवार का भरण-पोषण करना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि डीलरों ने अब तक जनहित को सर्वोपरि रखते हुए वितरण कार्य में कोई कोताही नहीं बरती है, लेकिन अनदेखी की यह स्थिति ज्यादा दिनों तक सहन करना संभव नहीं है।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मार्जिन मनी का भुगतान नहीं किया गया, तो राज्य स्तर पर जो भी निर्णय लिया जाएगा, डुमरांव अनुमंडल के सभी डीलर एकजुट होकर उसका पालन करेंगे। बैठक में लाल साहेब सिंह, पारस सिंह, रमेश सिंह यादव, शिवचंद्र सिंह, धीरेन्द्र तिवारी, वीरेन्द्र लाल, शैलेन्द्र सिंह, नवदेश्वर, चितेश्वर सहित बड़ी संख्या में डीलर उपस्थित रहे।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, जस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

चौसा में एसपी शुभम आर्य के जनता दरबार में उजागर हुईं जमीनी सच्चाइयां

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना परिसर में शनिवार को आयोजित पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के जनता दरबार में इलाके की जमीनी हकीकत खुलकर सामने आ गई। शराबबंदी, अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम और भूमि विवाद जैसे ज्वलंत मुद्दों पर फरियादियों का गुस्सा साफ झलकता रहा। विभिन्न गांवों और शहरी इलाकों से पहुंचे लोगों ने एक के बाद एक गंभीर शिकायतें रखीं, जिस पर एसपी ने न सिर्फ ध्यान से सुना, बल्कि कई मामलों में मौके पर ही सख्त निर्देश भी दिए।

जनता दरबार की शुरूआत सामूहिक समस्याओं से हुई। सबसे ज्यादा चिंता का विषय शराबबंदी के बावजूद गांवों में खुलेआम शराब की उपलब्धता रही। फरियादियों ने आरोप लगाया कि नशे का जाल फिर से फैल रहा है और इसका सीधा असर बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है। इस पर एसपी शुभम आर्या ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज किया जाए और दोषियों पर बिना किसी दबाव के कार्रवाई हो।

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। डॉ. मनोज कुमार यादव ने सामूहिक शौचालय निर्माण स्थल पर अतिक्रमण का मामला रखते हुए प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही लोगों ने यह भी बताया कि इलाके में कई सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद पड़े हैं। पुलिस की ओर से बताया गया कि तार बदले जा रहे हैं, लेकिन अखौरीपुर गोला पर ओवरब्रिज निर्माण के कारण केबल बिछाने में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं।

अखौरीपुर गोला चौक पर जाम की समस्या जनता दरबार में छाई रही। फरियादियों ने कहा कि अव्यवस्थित ट्रैफिक और बेतरतीब ऑटो परिचालन से रोजाना घंटों जाम लगता है। लोगों ने ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने, ऑटो चालकों को नियमों में बांधने और अंधे मोड़ों पर साइड मिरर लगाने की मांग की।

इसके बाद जनता दरबार भूमि विवाद के मामलों से भर गया। पूनम देवी ने मारपीट में महिला की मौत के मामले में पांच माह बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने और जमानत पर छूटे आरोपियों से मिल रही धमकी की शिकायत की। मीरा देवी ने पट्टीदारों पर जबरन खेती करने, फसल काटने और धमकी देने का आरोप लगाया।

राजनारायण वर्मा, पप्पू जायसवाल, महातीम सिंह यादव (सेवानिवृत्त बीएसएफ), रामलाल गुप्ता, बनारसी उपाध्याय और विजय कुमार जायसवाल सहित कई लोगों ने जमीन से जुड़े विवादों के आवेदन सौंपे। पप्पू जायसवाल द्वारा गेहूं की फसल रौंदकर बर्बाद करने का मामला सामने आते ही एसपी ने पुलिस पदाधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि दोषियों को थाने बुलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए, जरूरत पड़े तो जेल भेजा जाए। अधिकांश भूमि विवादों के त्वरित निष्पादन के लिए अंचल अधिकारी को भी निर्देशित किया गया।

जनता दरबार के अंत में एसपी शुभम आर्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर शिकायत की निष्पक्ष जांच होगी और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनता दरबार लोगों के लिए उम्मीद और सख्ती दोनों का संदेश बनकर उभरा।

राजस्व मामलों में बक्सर को आदर्श जिला बनाने का निर्देश

■ प्रधान सचिव सी.के. अनिल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, पारदर्शिता और समानता पर विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार के प्रधान सचिव सी. के. अनिल की अध्यक्षता में शनिवार को बक्सर जिला अंतर्गत राजस्व एवं भूमि सुधार से जुड़े मामलों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में हुई इस बैठक में जिला पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, बंदोबस्त पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता (बक्सर एवं डुमरांव), सभी अंचलाधिकारी, राजस्व पदाधिकारी सहित विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे।

त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण कार्य पर जोर

बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बक्सर जिले को राजस्व मामलों में एक आदर्श जिला के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए सभी स्तरों पर त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य संस्कृति को अनिवार्य रूप से अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों में आम जनता को समय पर न्याय और सुविधा मिलना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

दाखिल-खारिज से लेकर भू-अर्जन तक की समीक्षा

समीक्षा के दौरान दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, परिमार्जन, आधार सीडिंग, भू-लगान, आरओआर, लैंड बैंक, जन शिकायत, राजस्व महा अभियान, राजस्व न्यायालय एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। प्रधान सचिव ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राजस्व कर्मचारी एवं अमीन की दैनिक डायरी अनिवार्य रूप से संधारित कराएं और उनके कार्यों की नियमित समीक्षा करें। साथ ही सभी राजस्व कर्मचारियों का आधिकारिक ई-मेल आईडी बनाकर उसे सार्वजनिक करने का भी निर्देश दिया गया।

समानता के सिद्धांत का कड़ाई से पालन

प्रधान सचिव ने सभी प्रशासनिक एवं अर्द्ध-न्यायिक कार्यों में संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत समानता के सिद्धांत का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव, पक्षपात या चयनात्मक निर्णय स्वीकार्य नहीं होगा। यदि समान परिस्थितियों में अलग-अलग निर्णय लिए जाते हैं तो उसका स्पष्ट और लिखित कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा।

राजस्व महा अभियान और लैंड बैंक पर सख्त निर्देश

सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राजस्व महा अभियान से संबंधित प्रतिवेदन दो दिनों के भीतर अपलोड करें तथा आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूरा करें। इसके अलावा प्रत्येक अंचल में लैंड बैंक के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए इससे जुड़े सभी कार्य 15 जनवरी से पहले पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

सरकारी भूमि और अतिक्रमण पर कार्रवाई

सरकारी भूमि के शीघ्र डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए प्रधान सचिव ने कहा कि यदि बिना सक्षम अनुमति के सरकारी, खास महल अथवा अन्य भूमि की जमाबंदी की गई है तो उसके निरस्तीकरण का प्रस्ताव तत्काल सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाए। साथ ही सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमित और सख्ती से करने के निर्देश दिए गए।

अनुसूचित जाति के भूमिहीन परिवारों को प्राथमिकता

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि भूमिहीन अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों को नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से सरकारी भूमि पर दखल दिलाना सभी अंचलाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

समय-सीमा में निपटें लंबित मामले

परिमार्जन मामलों पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिया गया कि सभी परिमार्जन प्रकरणों का निष्पादन अधिकतम 75 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही 01 जनवरी 2026 तक लंबित सभी आवेदनों का निष्पादन एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से करने का आदेश दिया गया। सभी अंचलाधिकारियों को आगामी तीन माह की कार्ययोजना (एक्शन प्लान) तैयार कर जिला पदाधिकारी को सौंपने का निर्देश भी दिया गया।

भू-अर्जन में शिविर लगाकर भुगतान

भू-अर्जन मामलों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि रैयतों से आवेदन प्राप्त करने के लिए शिविर आयोजित किए जाएं और जांच के बाद पात्र हितग्राहियों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

एक नजर

शौच के लिए निकले अधेड़ की कर्मनाशा नदी में डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

चौसा। कर्मनाशा नदी एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बनारपुर गांव में शनिवार की सुबह रोजमर्रा की दिनचर्या निभाने निकले एक अधेड़ की नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया, वहीं परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक की पहचान बनारपुर निवासी 56 वर्षीय चुन्नीलाल चौधरी, पिता स्वर्गीय कवल चौधरी के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, चुन्नीलाल चौधरी प्रतिदिन की तरह सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान कर्मनाशा नदी के किनारे फिसलन भरी जमीन पर उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे नदी में जा गिरे। गहराई और तेज बहाव के कारण वे खुद को संभाल नहीं सके और देखते ही देखते पानी में डूबने लगे। कुछ देर बाद नदी की ओर गए ग्रामीणों की नजर पानी में डूबते व्यक्ति पर पड़ी। शोर मचते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें नदी से बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मौके पर ही उनकी मौत हो चुकी थी, जिससे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी शम्भू भगत के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला नदी में डूबने से मौत का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इधर, अचानक हुई इस घटना से मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घर का कमाऊ सदस्य चले जाने से परिवार पर संकट गहरा गया है। वहीं गांव में दिनभर मातमी सन्नाटा पसरा रहा।

प्राथमिक विद्यालय में सेंधमारी, मध्याह्न भोजन सामग्री चोरी, अज्ञात पर मामला दर्ज

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय ढेंका में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की एक घटना सामने आई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका वर्षा कुमारी नववर्ष के दिन एक जनवरी को स्कूल पहुंचीं। बताया गया कि 24 दिसंबर को विद्यालय बंद कर वे अपने घर चली गई थीं। इसके बाद कई दिनों तक विद्यालय बंद रहा। एक जनवरी को विद्यालय पहुंचने पर उन्होंने देखा कि स्कूल परिसर स्थित गोदाम का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर निरीक्षण करने पर पाया गया कि गोदाम में रखे मध्याह्न भोजन से संबंधित बर्तन, चावल सहित अन्य आवश्यक सामग्री गायब है। चोरी की इस घटना से विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। सूचना मिलते ही प्रभारी प्रधानाध्यापिका ने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी। उनके बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ के साथ-साथ संदिग्धों की तलाश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालयों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से विद्यालय परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की चोरी की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है और जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

पुरानी रंजिश में युवक पर हमला, बाजार से लौटते समय लाठी-डंडों से की गई पिटाई

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में बाजार से गांव लौट रहे एक युवक पर घात लगाकर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना 28 दिसंबर की बताई जा रही है, जब छतनवार गांव निवासी संजय कुमार कृष्णाब्रह्म बाजार से खरीदारी कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में संजय कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़ित युवक ने कृष्णाब्रह्म थाना में लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी। पीड़ित के बयान के आधार पर पुलिस ने सोनू शुक्ला, आकाश शुक्ला सहित एक महिला और एक युवती के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में आपसी विवाद और पुरानी रंजिश के चलते हमला किए जाने की बात कही गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, हालांकि पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रखंड कार्यालय में खुले जीविका दीदी कैंटीन का संचालन कर रहे पुरूष

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय डुमरांव में लगभग एक सप्ताह पहले जीविका दीदी को संचालित करने के लिये सरस्वती दीदी का कैंटीन खोला गया था। कैंटीन खुलने से जीविका से जुड़ी महिलाओं को उसमें कार्य करना था, लेकिन उमें एक भी महिला कार्य नहीं कर पुरूषों के द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्रखंड कार्यालय में कार्य से आऐ लोग पुरूषों को कार्य करते देख पुछने लगे की जीविका से जुड़ी महिलाओं को रोजगार देने के लिये यह कैंटीन खोला गया है, लेकिन इसमें पुरूष क्यों कार्य कर रहे हैं, इसका जवाब किसी के पास नहीं था। मालूम हो कि प्रखंड कार्यालय में पीएचसी, बुनियद केन्द्र, रजिस्ट्री कार्यालय मौजूद हैं। इन कार्यालयों में कार्य करने और कार्य से आने वाले लोगों की भीड़ लगी रहती है। वैसे लोगों के लिये परिसर मे वैसी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे वे भोजन, नास्ता या चाय पी सके। इस कमी को देखते हुए परिसर में जीविका दीदी के तहत कैंटीन खोला गया। इसका नाम सरस्वती दीदी का कैंटीन का नाम दिया गया।

केशोपुर, सिमरी विद्यालयों के बीच हुआ अनुभवों का आदान-प्रदान

केटी न्यूज/सिमरी

शिक्षा को व्यवहारिक और प्रेरणादायी बनाने के उद्देश्य से सिमरी प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय केशोपुर में शैक्षणिक भ्रमण सह अनुभव आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्लस टू उच्च विद्यालय सिमरी के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक केशोपुर विद्यालय पहुंचे, जहां प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में शिक्षकों एवं छात्रों ने उनका भव्य स्वागत किया। आगंतुक शिक्षकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों विद्यालयों के बीच शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं नवाचारों को लेकर सार्थक संवाद हुआ। सिमरी विद्यालय के छात्रों ने केशोपुर विद्यालय की सकारात्मक शैक्षणिक परंपराओं और अनुशासन से प्रेरणा लेते हुए उन्हें अपने विद्यालय में अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर आयोजित संयुक्त सभा की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश दुबे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सिमरी विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सीमा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षक अनिल कुमार के स्वागत गीत से हुई। इसके बाद छात्र सत्यम चौबे द्वारा बक्सर के गौरव का संगीतमय वर्णन प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी को भावविभोर कर दिया। सभा का विशेष आकर्षण एनसीसी कैडेट सूरज कुमार दुबे रहे, जिन्होंने नागालैंड कैंप में भाग लेकर बिहार का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए एनसीसी के महत्व और राष्ट्रीय एकता की भावना पर प्रकाश डाला। शिक्षक अवधेश राय ने प्रेरक काव्य पंक्तियों के माध्यम से छात्रों को परिश्रम और लक्ष्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। भ्रमण के क्रम में छात्रों ने बक्सर स्थित वॉटर पावर प्लांट और गंगा तटबंध का अवलोकन किया। नौका विहार के दौरान छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम को सफल बनाने में दोनों विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों की सराहनीय भूमिका रही।

आस्था पर वार : हनुमान मंदिर से चार दान पेटिकाएं चोरी, खेतों में टूटी मिलीं

■ सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

केटी न्यूज/चौसा

नगर पंचायत चौसा के अखौरीपुर गोला स्थित भव्य हनुमान मंदिर में हुई चोरी की घटना ने न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था को झकझोर दिया है, बल्कि स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार की देर रात अज्ञात चोर मंदिर परिसर से चार दान पेटिकाएं चुरा ले गए। चोरी के बाद चोरों ने मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित खेतों में पेटिकाओं को तोड़ दिया और नकदी लेकर फरार हो गए। शनिवार सुबह खेतों में टूटी दान पेटिकाएं मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

यह मंदिर क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक केंद्र माना जाता है, जहां हनुमान जी के साथ मां दुर्गा और राधे-कृष्ण की भव्य प्रतिमाएं स्थापित हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे मंदिर में चोरी की वारदात ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है।

मंदिर के पुजारी रामेश्वर पंडित ने बताया कि वे अपनी माताजी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुछ दिनों के लिए घर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि दान पेटिकाएं पिछले कई महीनों से नहीं खोली गई थीं। ऐसे में उनमें कितनी राशि जमा थी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन श्रद्धालुओं के अनुसार रकम काफी हो सकती है।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब मंदिरों को निशाना बनाया गया हो। इसके बावजूद न तो मंदिरों में पर्याप्त सुरक्षा है और न ही रात्रि गश्ती व्यवस्था प्रभावी दिखाई देती है। लोगों ने मांग की है कि मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए।

इस मामले में जब मुफस्सिल थाना से संपर्क किया गया तो पुलिस ने बताया कि अभी तक मंदिर प्रशासन की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।

आस्था के केंद्र पर हुई यह चोरी न सिर्फ एक आपराधिक घटना है, बल्कि समाज के लिए चेतावनी भी है कि यदि समय रहते सुरक्षा के ठोस इंतजाम नहीं किए गए, तो धार्मिक स्थलों की पवित्रता बार-बार अपराधियों के निशाने पर आती रहेगी।

राज कमल सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

■ सरल स्वभाव और जनसेवा के लिए याद किए गए ह्यपाठा सिंह, पुत्र युवराज सिंह को मिला समाज का संबल

केटी न्यूज/बक्सर

बाबा नगर बाईपास रोड स्थित कृष्ण निवास पर शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं सामाजिक रूप से सक्रिय रहे राज कमल सिंह उर्फ पाठा सिंह की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन उनके इकलौते पुत्र युवराज सिंह की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोग शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर स्वर्गीय राज कमल सिंह के चित्र पर नमन के साथ की गई। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने

उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि राज कमल सिंह सरल स्वभाव, मधुर व्यवहार और जनहित के कार्यों के लिए सदैव समर्पित रहे। वे केवल एक सफल व्यवसायी ही नहीं, बल्कि समाज के हर सुख-दुख में सहभागी रहने वाले व्यक्ति थे। सभा को संबोधित करते हुए समाजसेवियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों एवं राजनीतिक दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा कि उनका असमय जाना बक्सर शहर के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। वक्ताओं ने युवराज सिंह को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे उनके पिता के दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ें, इसके लिए समाज का हर वर्ग उनके साथ खड़ा है। जहां भी आवश्यकता पड़ेगी, सभी लोग सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय राज कमल सिंह की स्मृति में एक मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वातावरण भावुक हो उठा, जब लोगों ने उनके साथ बिताए गए संस्मरण साझा किए।

सभा के अंत में युवराज सिंह ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बड़ों के चरणों में नमन करते हुए आशीर्वाद मांगा और कहा कि वे अपने पिता के आदर्शों को जीवन में उतारने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र कुमार ओझा, वार्ड संख्या 33 के पार्षद संतोष कुमार उपाध्याय, शिक्षक सुरंजन राय, सेवानिवृत्त शिक्षक ओम प्रकाश सिंह, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर पांडे जी, अजीत पांडे, अधिवक्ता अमित, समाजसेवी विकास सिंह, नीरज सिंह, अजय सिंह, गुड्डू सिंह, अरुण जी, धर्मेंद्र यादव, राजेश सिंह, रितेश पांडे, भारत भूषण सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डुमरांव बाईपास में मुआवजा बनाम हकीकत लाखों की जमीन, हजारों का दाम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव बाईपास निर्माण अब सड़क से ज्यादा मुआवजे की लड़ाई बनता जा रहा है। पुराना भोजपुर से टेढ़की पुल तक प्रस्तावित बाईपास के लिए शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में मुआवजा शिविर लगाया गया, लेकिन यह शिविर प्रशासन के लिए असहज सवाल छोड़ गया। सैकड़ों प्रभावित रैयतदारों में से महज 10झ15 किसान ही आवेदन लेने पहुंचे, जबकि अधिकांश ने मुआवजा दर को ह्यअपमानजनकह्व बताते हुए साफ इनकार कर दिया।

बनकट, पुरैनी, डुमरांव और भोजपुर कदीम मौजा की जमीनें इस परियोजना की जद में हैं। किसानों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर 2014झ15 के पुराने सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा तय कर रही है, जबकि वर्तमान में जमीन का बाजार मूल्य कई गुना बढ़ चुका है। उनका कहना है कि जिस जमीन की आज कीमत लगभग 15 लाख रुपये प्रति कट्ठा है, उसके बदले एक लाख रुपये के आसपास मुआवजा देना सरासर अन्याय है। किसानों का गुस्सा केवल रकम तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति की दोहरी व्यवस्था पर भी है। उनका कहना है कि जमीन की रजिस्ट्री के समय सरकार नए सर्किल रेट पर टैक्स वसूलती है, लेकिन जब जमीन अधिग्रहण की बात आती है तो पुराने रेट का सहारा लिया जाता है। इसे किसान ह्यकानूनी लूटह्व करार दे रहे हैं।

किसान बेंद्र तिवारी ने उदाहरण देते हुए बताया कि उनकी लगभग 0.4942 हेक्टेयर (करीब दो बीघा) जमीन के लिए 49 लाख रुपये से कुछ अधिक मुआवजा तय किया गया है, जो मौजूदा बाजार दरों की तुलना में बेहद कम है। उनका कहना है कि इस रकम में न तो वैकल्पिक जमीन खरीदी जा सकती है और न ही आजीविका की भरपाई। इसी असहमति का नतीजा है कि चार वर्षों में अब तक केवल 78 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण ही हो सका है। बाईपास परियोजना कागजों में आगे बढ़ती रही, लेकिन जमीन पर एक ईंट तक नहीं रखी जा सकी। प्रशासन ने अब किसानों को अधिग्रहण के लिए अल्टीमेटम दिया है, जबकि किसान साफ कह रहे हैं कि उचित मुआवजा नहीं, तो जमीन नहीं।

बैठक : खाद विक्रेताओं के मनमानी पर उर्वरक निगरानी समिति करेगी नकेल

केटी न्यूज/रोहतास प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत शनिवार को उर्वरक निगरानी समिति के तत्वधान में हुई बैठक। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अरविंद कुमार ने की। बैठक के दौरान रासायनिक उर्वरक की बिक्री, मूल्य निर्धारण, उपलब्धता और कालाबाजारी पर विस्तार से चर्चा हुई। जहां खाद के खुदरा विक्रेताओं ने अपनी समस्याएं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखीं। खुदरा डीलरों ने बताया कि सरकार द्वारा यूरिया का खुदरा मूल्य 266 रुपए निर्धारित है, जबकि उन्हें कंपनी से यह 270 रुपए प्रति बोरी की दर से मिलता है। इसके अतिरिक्त उतराई, ढुलाई और अन्य खर्चों को मिलाकर प्रति बोरी लगभग 20 रुपये का अतिरिक्त व्यय आता है। ऐसे में 266 रुपये में यूरिया बेचना उनके लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। बैठक में उपस्थित किसानों सहित समाजसेवी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने शिकायत की कि किसानों को खाद तभी दी जाती है, जब वे नैनो यूरिया या सल्फर भी साथ में खरीदें,जबकि कई किसानों को नैनो यूरिया की आवश्यकता नहीं होती। बैठक में बीडीओ सुश्री शेफाली, प्रखंड कृषि पदाधिकारी इशिका कुमारी, कृषि समन्वयक देवव्रत कुमार, आलोक कुमार, सूरज कुमार सहित कई किसान सलाहकार, जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे। इस संदर्भ में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अनिल सिंह, 20 सूत्री अध्यक्ष रमेश शर्मा, सीओ मधुसूदन चौरसिया समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार को व्यक्त किया। दूसरी तरफ अधिकारियों ने सभी डीलरों को सख्त निर्देश दिए कि खाद की बिक्री सरकार द्वारा निर्धारित दर और नियमों के अनुसार ही की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि किसानों से किसी भी प्रकार की शिकायत न आए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रखंड में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है और कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बच्चों की सुरक्षा पर सख्ती : स्कूल बसों के लिए नए नियम लागू, चलाया जाएगा विशेष जांच

कूल वाहनों के लिए जारी प्रमुख निर्देश इस प्रकार हैं

- प्रत्येक स्कूल वाहन में वीएलटीडी, पैनिक बटन और जीपीएस सिस्टम अनिवार्य होगा।
- सभी स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा, जिसकी रिकॉर्डिंग कम से कम 60 दिनों तक सुरक्षित रखनी होगी। हालांकि 14 सीटर से कम क्षमता वाले वाहनों में सीसीटीवी अनिवार्य नहीं होगा।
- सभी स्कूल वाहनों में स्पीड गवर्नर अनिवार्य रहेगा और अधिकतम गति सीमा 40 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है।
- लाल बत्ती उल्लंघन, लेन अनुशासन भंग या अनाधिकृत व्यक्ति को वाहन चलाने देने जैसे मामलों में एक वर्ष में दो बार से अधिक दंडित चालक स्कूल वाहन नहीं चला सकेंगे।
- तेज गति, खतरनाक ड्राइविंग या नशे में वाहन चलाने के मामले में एक बार भी दंडित चालक को स्कूल वाहन चलाने की अनुमति नहीं होगी।
- आईपीसी, सीआरपीसी या पोक्सो एक्ट के तहत दोषसिद्ध चालकों को भी स्कूल वाहन संचालन से प्रतिबंधित किया गया है।
- चालकों की नियुक्ति से पहले स्थायी पता एवं निकटतम दो रिश्तेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य होगा।

एजेंसी।/पटना राज्य में स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्धेश्य से परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी स्कूलों की ओर से संचालित वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूल प्रबंधन और वाहन मालिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जनवरी माह में सभी जिला परिवहन अधिकारियों की ओर से विशेष अभियान चलाकर स्कूल वाहनों की व्यापक जांच की जाएगी। इसके अलावा सभी स्कूल बसों में प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, अग्निशामक यंत्र और रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे। साथ ही वाहनों के सभी वैध दस्तावेज–पंजीकरण प्रमाण पत्र, थर्ड पार्टी बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, फिटनेस सर्टिफिकेट और परमिट–अद्यतन होने चाहिए। चालक के पास भारी मोटर वाहन (यात्री) का वैध ड्राइविंग लाइसेंस तथा कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य किया गया है।

नगर पंचायत गोड़ारी में बोर्ड की बैठक पुन रद्द,वार्डो ने मुख्य पार्षद पर लगाया आरोप

केटी न्यूज/रोहतास

नगर पंचायत काराकाट में आज शनिवार को निर्धारित सामान्य बोर्ड बैठक फिर स्थगित हो गई। दिसंबर माह में दो बार बुलाई गई बैठकें अपरिहार्य कारणों से रद्द हो चुकी थीं, और आज भी कोरम पूरा न होने से यह बैठक नहीं हो सकी। कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन ने बताया कि बैठक अध्यक्ष राधिका कुमारी द्वारा बुलाई गई थी, लेकिन उनके अलावा केवल दो वार्ड सदस्य अजय कुमार सिंह और मालती देवी समय पर पहुंचे। जबकि अन्य पार्षदों ने बैठक में अनुपस्थिति का अलग-अलग कारण बताए। वार्ड 11 के पार्षद प्रतिनिधि वीनेश कांत त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। इस संदर्भ वार्ड 8 के प्रतिनिधि संतोष कुमार यादव ने बताया कि कोई आधिकारिक चिट्ठी नहीं मिली, इसलिए जानकारी नहीं हुई। जबकि उप मुख्य पार्षद रविश रंजन ने निजी कारणों का हवाला दिया। वार्ड सदस्य दिलीप कुमार ने कहा कि लगातार रद्दीकरण से लगा कि यह भी कैंसल हो जाएगी। वार्ड पार्षद विपिन कुमार निजी काम से सासाराम थे। सबसे तीखी प्रतिक्रिया वार्ड सदस्य संतोष कुमार तिवारी ने करते हुए कहा कि मुख्य पार्षद राधिका कुमारी बार-बार बैठक बुलाती हैं और एक घंटे पहले ही रद्द कर देती हैं। उन्होंने छठ-दीपावली में पास लाइट खरीदारी समेत अन्य खदारियों में मुख्य पार्षद द्वारा जानबूझकर लेटलतीफी का भी आरोप लगाया। मुख्य पार्षद से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन वे प्रतिक्रिया देने नहीं पहुंचीं। नगर पंचायत में लगातार बैठकें रद्द होने से स्थानीय लोगों में सवाल उठ रहे हैं क्या यह शासनिक लापरवाही है या राजनीतिक साजिश ? राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं ने कराया बंध्याकरण

केटी न्यूज/रोहतास

कोचस प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 10 महिलाओ का सफलतापूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन जिले से आए सूर्या क्लिनिक के डॉक्टर तथा पीएचसी चिकित्सको के द्वारा सावधानी और मानकों के अनुसार किया गया। पीएससी प्रभारी तुषार कुमार ने बताया कि सोमवार को पीएससी में बंध्याकरण के लिए दस महिलाओ को चयनित किया गया। जहां जिले से आए सूर्या क्लिनिक के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में सभी महिलाओ का सफलता पूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। पीएचसी प्रभारी ने बताया बंध्याकरण एक सुरक्षित और स्थाई परिवार नियोजन उपाय है, इससे जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति और मातृत्व शिशु स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा पीएससी में बंध्याकरण कराने वाले लाभार्थियों को बिहार सरकार मुख्यमंत्री परिवार नियोजन प्रोत्साहन योजना के तहत दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता लाभार्थियों के खाते में राशि डाल प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर परिवार नियोजन के स्थाई उपायों को अपनाने के लिए अपील कर रही है। जागरूकता के दौरान अभिभावकों से मिल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जा सलाह ले बंध्याकरण के लिए प्रेरित किया जाता है। फिलहाल सभी महिलाओं को पीएससी में रखा गया है चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य की देखे की जा रही है, स्थिति में सुधार आने के बाद एंबुलेंस से अगले दिन घर छोड़ा जाएगा। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉ० तुषार कुमार, चिकित्सक, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

जगदीशपुर : वीर कुंवर सिंह संग्रहालय और पार्क के आधुनिकीकरण को लेकर हुई बैठक

केटी न्यूज/आरा

जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में वीर कुंवर सिंह संग्रहालय एवं वीर कुंवर सिंह पार्क जगदीशपुर के आधुनिकीकरण एवं पुनर्विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संग्रहालय एवं पार्क परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों के लिए अधिक आकर्षक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बनाना रहा।

इसके दौरान संग्रहालय के समग्र विकास,आधुनिक प्रदर्शनी व्यवस्था,संरचनात्मक सुधार,आगंतुक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ पार्क परिसर में स्थित तालाब क्षेत्र के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के उपरांत जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों के साथ वीर कुंवर सिंह संग्रहालय एवं पार्क का स्थल निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संग्रहालय के पुनर्विकास हेतु कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को प्रस्ताव भेजने तथा संग्रहालय को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर वीर कुंवर सिंह के गौरवशाली इतिहास एवं योगदान को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, साथ ही पार्क के पुनर्विकास हेतु पर्यटन विभाग के माध्यम से कार्य कराए जाने का मार्गदर्शन किया, जिसमें लाइट एंड साउंड सिस्टम के माध्यम से वीर कुंवर सिंह के जीवन पर आधारित चलचित्र प्रदर्शन, कैफेटेरिया निर्माण, डायनेमिक लाइटिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी ने पार्क परिसर में स्थित तालाब के पुनर्निर्माण व पुनर्विकास हेतु बाउंड्री वॉल निर्माण, लाइटिंग सिस्टम, समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, उन्होंने प्रस्तावित सभी कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र स्वीकृति एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उक्त मौके पर उप विकास आयुक्त, विशेष कार्य पदाधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी,पर्यटन विभाग के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं ने कराया बंध्याकरण

केटी न्यूज/रोहतास

कोचस प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 10 महिलाओ का सफलतापूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन जिले से आए सूर्या क्लिनिक के डॉक्टर तथा पीएचसी चिकित्सको के द्वारा सावधानी और मानकों के अनुसार किया गया। पीएससी प्रभारी तुषार कुमार ने बताया कि सोमवार को पीएससी में बंध्याकरण के लिए दस महिलाओ को चयनित किया गया। जहां जिले से आए सूर्या क्लिनिक के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में सभी महिलाओ का सफलता पूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। पीएचसी प्रभारी ने बताया बंध्याकरण एक सुरक्षित और स्थाई परिवार नियोजन उपाय है, इससे जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति और मातृत्व शिशु स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा पीएससी में बंध्याकरण कराने वाले लाभार्थियों को बिहार सरकार मुख्यमंत्री परिवार नियोजन प्रोत्साहन योजना के तहत दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता लाभार्थियों के खाते में राशि डाल प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर परिवार नियोजन के स्थाई उपायों को अपनाने के लिए अपील कर रही है। जागरूकता के दौरान अभिभावकों से मिल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जा सलाह ले बंध्याकरण के लिए प्रेरित किया जाता है। फिलहाल सभी महिलाओं को पीएससी में रखा गया है चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य की देखे की जा रही है, स्थिति में सुधार आने के बाद एंबुलेंस से अगले दिन घर छोड़ा जाएगा। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉ० तुषार कुमार, चिकित्सक, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

एक नजर

विद्यालय में सावित्रीबाई फुले की धूमधाम से मनी जयंती

सासाराम। शनिवार को जिला क्षेत्र विभिन्न जगहों पर सावित्रीबाई फुले की जयंती समारोह धूमधाम से मनी। उक्त मौके पर सासाराम के संत शिवानंद अकादमी प्लस टू विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार के अध्यक्षता एवं शिक्षक संघ के महामंत्री संजय कुमार कुशवाहा के संचालन में धूमधाम से मनाया गया। अवसर पर सावित्रीबाई के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए संजय कुमार ने बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 ई को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव गांव में हुआ था। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और कवयित्री थीं, जिन्होंने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर भारत में महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए अभूतपूर्व कार्य किया। साथ ही 1848 में प्रथम बालिका विद्यालय खोला, सत्यशोधक समाज की स्थापना में मदद की और विधवा विवाह व अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए संघर्ष किया, जिनका निधन प्लेग पीड़ितों की सेवा करते हुए 10 मार्च 1897 में हुआ। मौके पर जाह्नवी कुमारी, रुबी कुमारी, रेणु कुमारी, आरती कुमारी, मधुमिता कुमारी,अंजू कुमारी ,मधु कुमारी, संध्या कुमारी,आफरीन बानो,समरीन जेब, साजिदा, कल्पना कुमारी,आयुषी वर्मा, सुहैल खातून,ऋचाली पीयूष, सपना कुमारी, सुधा कुमारी, श्वेता सिंह, सुजाता कुमारी,अमित पटेल, आलोक कुमार मिश्रा सहित विद्यालय सभी छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

शिक्षा और कला लोगों के जीवन में स्वरोजगार के साथ बनाती है आत्मनिर्भर : प्रद्युम्न गौरव

उदवंतनगर । थाना क्षेत्र के कसाप पंचायत सरकार भवन में शनिवार को सामाजिक संस्था ह्यनई आशाह्य द्वारा मां करणी प्रसाद के सौजन्य से संचालित मान कंवर सिलाई सह पढ़ाई केन्द्र का उद्घाटन हुआ। अवसर पर मुख्य अतिथि प्रद्युम्न गौरव भा.व.से. वन प्रमंडल पदाधिकारी भोजपुर सह बक्सर ने कहा कि पढ़ाई नौकरी के साथ आत्मनिर्भर जीवन जीने की कला भी सिखाती है। उन्होंने महादलित महिलाओं, युवतियों एवं अभिभावकों को पढ़ाई पर ध्यान देने के साथ स्वरोजगार कार्य अंतर्गत सिलाई केंद्र के माध्यम से सिलाई कढ़ाई सीख बेहतर जीने की बात कही। दूसरी तरफ पटना से पहुंची समाजसेवी हिमानी सिंह ने महादलित समुदाय के लोगों में शिक्षा व स्वच्छता की जरूरत बताई। उन्होंने नई आशा के प्रयासों को सार्थक बताते हुए कहा कि इस अभियान से लोगों के जीवन में बेहतर बदलाव के साथ बेरोजगारी भी खत्म होगी। जबकि जिला कल्याण पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि शिक्षा ऐसी चाबी है, जिससे किस्मत के हर तालों को खोला जा सकता है।

जनता दरबार में फरियादियों के मामलों का त्वरित होगा निष्पादन : सीओ

नोखा । थाना क्षेत्र के अंचल कार्यालय अंतर्गत शानिवार को सीओ के नेतृत्व में आयोजित हुई जनता दरबार। उक्त मौके पर अंचलाधिकारी मधुसूदन चौरसिया ने जनता दरबार तहत जमीन से शिकायत संबंधित पहुंचे फरियादियों के तीन मामलों को निष्पादन किया। इस दौरान सबसे ज्यादा मामले दाखिल खारिज के आए। जहां आयोजित जनता दरबार मे जमीन विवाद से जुड़े कई लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। साथ ही सीईओ ने कहा कि अब से अंचल कार्यालय में प्रत्येक बुधवार को जनता की शिकायत से जुड़ी बातों को सुनकर उनकी समस्याओं को मौके पर ही निष्पादन करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर एसआई नवीन कुमार सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद थे।

अपहरण कांड आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

कोचस। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के खैरी गांव से लड़की अपहरण मामले में एक युवक को शनिवार को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित पिता ने अपनी पुत्री की अपहरण की एक युवक के विरुद्ध स्थानीय थाने मे नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमे पुलिस को युवक की बहुत दिनों से तलाश थी, वही प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस उक्त गांव में छापेमारी कर आरोपी खैरी गांव निवासी सिपाही सिंह के पुत्र विमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी गिरफ्तारी बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अग्रतर कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग पहुंचा गोपालगंज, यूपी, बिहार सीमा पर हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी। पटना

गोपालगंज से इस वक्त एक ऐतिहासिक और आस्था से जुड़ी खबर सामने आई है। विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग तमिलनाडु से निकलकर अब बिहार में प्रवेश कर चुका है। यह भव्य शिवलिंग यूपी, बिहार सीमा से होते हुए गोपालगंज में पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने फूलों, शंख-नाद, हर-हर महादेव के जयकारों और ढोल-नगाड़ों के साथ दिव्य स्वागत किया। यह यात्रा सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति की विराट झलक पेश कर रही है। शिवलिंग पूर्वी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर की ओर अग्रसर है और आज-कल गोपालगंज जिले से होकर गुजरेगा। गोपालगंज के विभिन्न इलाकों में श्रद्धालु जगह-जगह शिवलिंग की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि इतनी विशाल और अलौकिक शिवलिंग को जीवन में पहली बार देखने का सौभाग्य मिला है। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात की व्यापक व्यवस्था की है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस ऐतिहासिक यात्रा ने केवल धार्मिक महत्व ही नहीं, बल्कि भारत की एकता, संस्कृति और आस्था की जीवंत तस्वीर भी प्रस्तुत की है। गोपालगंज से होते हुए यह शिवलिंग अब अपने अंतिम पड़ाव पूर्वी चंपारण की ओर बढ़ रहा है। बता दें कि विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग तमिलनाडु के महाबलीपुरम में तैयार किया गया है। यह 33 फीट ऊंचा और लगभग 210 टन वजनी है। इसे काले ग्रेनाइट के एक ही पत्थर से तराशा गया है और निर्माण में लगभग 10 साल का समय लगा। यह भव्य शिवलिंग अब बिहार के पूर्वी चंपारण में बन रहे विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जा रहा है। इसकी यात्रा धार्मिक आस्था और सनातन संस्कृति का प्रतीक बन गई है और श्रद्धालुओं में अत्यधिक उत्साह और भक्ति का संचार कर रही है।

एक नजर

बिहार के सारण में करंट लगने से तीन मजदूर झूलसे, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

सारण। बिहार में बड़ा हादसा हुआ है। सारण के सोनपुर के हरिहरनाथ ओपी क्षेत्र के आदम गांव में शुक्रवर शाम नव निर्मित मकान की छत की ढलाई के दौरान करंट लगने से तीन मजदूर झुलस गए जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। झुलसे मजदूर को सोनपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि देर शाम छत ढलाई का काम चल रहा था, तभी अचानक करंट लगा और तीन मजदूर बुरी तरह से झूलस गए। मृतक मजदूरों की पहचान राहर दियारा निवासी आमोद राय के पुत्र नीतीश कुमार और ब्रह्मदेव राय के पुत्र देवेंद्र राय के रूप में हुई है। यह दोनों मजदूरी करके अपने घर परिवार चला रहे थे लेकिन अचानक करंट में झुलसने से उनकी मौत हो गई जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही हरिहर नाथ ओपी थाना अध्यक्ष अपने दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे दोनों मृतक के शव कब्जे में कर हाजीपुर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बिहार में निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 19 हजार रुपये रिश्वत लेते जिला कृषि पदाधिकारी गिरफ्तार

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी की टीम ने मुजफ्फरपुर के जिला कृषि पदाधिकारी (ऊअड) सुधीर कुमार को उनके निजी आवास से 19,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सुधीर कुमार के पास वर्तमान में परियोजना निदेशक (आत्मा) और सहायक निदेशक (शस्य), तिरहुत प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार भी था। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला कृषि विभाग के एक निविदा कर्मी (कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी) संतोष कुमार के पुनर योगदान (फ्ी-ङ्खल्लल्लॅ) से जुड़ा है। संतोष कुमार से उनकी सेवा विस्तार और दोबारा ज्वाइनिंग के बदले जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार ने 2 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। आर्थिक तंगी से जूझ रहे कर्मी ने अपनी नौकरी बचाने के लिए किसी तरह पैसों का इंतजाम करना शुरू किया। पीड़ित संतोष कुमार ने बताया कि रिश्वत की भारी रकम चुकाने के लिए उसे अपनी जमा-पूंजी के साथ-साथ घर की कीमती चीजें भी बेचनी पड़ीं। संतोष ने 5 दिसंबर को सुधीर कुमार को 1,81,000 रुपये की पहली किस्त दी थी। यह रकम उसने बैंक से लोन लेकर, अपनी पत्नी के गहने गिरवी रखकर और अपनी गाड़ी बेचकर जुटाई थी। इतनी बड़ी रकम देने के बाद भी सुधीर कुमार बाकी बचे 19,000 रुपये के लिए संतोष पर लगातार दबाव बना रहे थे।

पटना में बढ़ती ठंड का असर: 5 जनवरी तक कक्षा पांच तक के सभी स्कूल बंद

पटना। बिहार में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए पटना जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पटना के जिलाधिकारी ने एक नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा पांच तक की पढ़ाई 5 जनवरी तक पूरी तरह बंद रहेगी। वहीं कक्षा छह और उससे ऊपर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल सीमित समय में संचालित होंगे। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कक्षा छह से लेकर 12वीं तक के विद्यालय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक ही संचालित किए जाएंगे। यह आदेश सभी सरकारी, सहायता प्राप्त, निजी और सीबीएसई, आईसीएसई समेत अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा। पिछले कई दिनों से बिहार के अधिकांश जिलों में तापमान लगातार गिर रहा है। पटना समेत कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। सुबह और शाम के समय घना कोहरा छाया रहता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ठंडी पछुआ हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है और दिन में भी ठंड का असर बना हुआ है।

एक अप्रैल 2026 से बढ़ेगा जीविका कर्मियों का वेतन बिहार सरकार का बड़ा फैसला, आदेश जारी

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने ग्रामीण आजीविका मिशन जीविका से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए उनके वेतन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की घोषणा की है। लंबे समय से वेतन पुनरीक्षण की मांग कर रहे जीविका कर्मियों के लिए यह फैसला किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। सरकार के इस निर्णय के तहत अलग-अलग स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के वेतन में 10 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। यह बढ़ा हुआ वेतन 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। सरकारी आदेश के अनुसार राज्य और जिला स्तर पर काम कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन में 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। वहीं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत कर्मियों को सबसे अधिक लाभ दिया गया है। इनके वेतन में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि तय की गई है।इसके अलावा जीविका परियोजना से जुड़े सभी यंग प्रोफेशनल्स को हर महीने 5,000 रुपये की सीधी बढ़ोतरी दी जाएगी, जिससे उनकी आय में स्थायी इजाफा होगा। वेतन वृद्धि की सूची के अनुसार निदेशक, उद्यम निदेशक, विशेष कार्यपालक अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक, राज्य परियोजना प्रबंधक और राज्य वित्त प्रबंधक के वेतन में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।जबकि जिला प्रोजेक्ट मैनेजर, प्रोग्रामर और तकनीकी पदों पर कार्यरत कर्मचारियों को 15 प्रतिशत वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर और थीमैटिक मैनेजर के वेतन में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं क्षेत्र समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, कार्यालय सहायक, लेखाकार, स्टेनो, आईटी कर्मी और अन्य कर्मचारियों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है।

अलग-अलग स्तर पर कितनी बढ़ोतरी

सरकारी आदेश के अनुसार राज्य और जिला स्तर पर काम कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन में 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। वहीं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत कर्मियों को सबसे अधिक लाभ दिया गया है। इनके वेतन में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि तय की गई है। इसके अलावा जीविका परियोजना से जुड़े सभी यंग प्रोफेशनल्स को हर महीने 5,000 रुपये की सीधी बढ़ोतरी दी जाएगी, जिससे उनकी आय में स्थायी इजाफा होगा।

काम के बंटवारे में भी बड़ा बदलाव

सरकार ने वेतन वृद्धि के साथ-साथ कार्य संरचना में भी अहम बदलाव किए हैं ताकि जीविका परियोजना का संचालन और अधिक प्रभावी हो सके। अब एक सामुदायिक समन्वयक को एक ब्लॉक के भीतर तीन ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रत्येक ब्लॉक में दो क्षेत्र समन्वयक तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा जो अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध होंगे, उन्हें आजीविका संवर्धन कार्यों और जीविका निधि के संचालन में लगाया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में इन कर्मियों को संस्थान निर्माण, प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन और रोजगार सृजन से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी।

मेडिक्लेम बीमा से मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा

वेतन बढ़ोतरी के साथ सरकार ने जीविका कर्मियों को स्वास्थ्य सुरक्षा भी प्रदान की है। सभी जीविका कर्मचारियों को 5 लाख रुपये तक का मेडिक्लेम बीमा दिया जाएगा। यह सुविधा सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगी। इससे गंभीर बीमारी या इलाज की स्थिति में कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

कर्मियों में खुशी, काम की गुणवत्ता बढ़ने की उम्मीद

सरकार के इस फैसले से जीविका से जुड़े हजारों कर्मचारियों में खुशी की लहर है। लंबे समय से अपेक्षित वेतन वृद्धि और बीमा सुविधा मिलने से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न सिर्फ कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि जीविका परियोजना के कार्यों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता भी बढ़ेगी। बिहार सरकार का यह कदम ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में काम कर रहे जीविका कर्मियों के प्रति सकारात्मक सोच को दशार्ता है। आने वाले समय में इस फैसले का सीधा लाभ राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दिखने की उम्मीद है।

3 से 25 जनवरी तक पटना के कई रास्तों पर ट्रैफिक बंद

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो परियोजना को लेकर राजधानी में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में पटना के लोगों के लिए एक अहम सूचना सामने आई है, जो खास तौर पर रोजमर्रा के यातायात से जुड़े लोगों के लिए जानना जरूरी है। मेट्रो निर्माण कार्य के कारण 3 जनवरी से 25 जनवरी तक नहर रोड के एक प्रमुख हिस्से पर वाहनों का आवागमन आंशिक रूप से बंद रहेगा। दरअसल, रूपसपुर फ्लाईओवर के नीचे से दीघा फ्लाईओवर तक नहर रोड के रूट पर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक गाड़ियों के चलने पर रोक लगाई गई है। यह व्यवस्था मेट्रो के अंडरग्राउंड टनल निर्माण और उससे जुड़े तकनीकी कार्यों के कारण लागू की गई है। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह रोक अस्थायी है और तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पटना मेट्रो के अंडरग्राउंड टनल के निर्माण के लिए बिजली की अंडरग्राउंड डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन को शिफ्ट किया जाना है। इसके तहत नहर के किनारे मोनो पोल लगाए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में मेट्रो परिचालन के दौरान किसी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या न आए। इसी वजह से निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। पहले फेज में रूपसपुर नहर से बाएं पाटलिपुत्र स्टेशन की ओर जाने वाले रूट पर गाड़ियों का परिचालन बंद रहेगा। हालांकि, दीघा की तरफ से पाटलिपुत्र स्टेशन जाने वाले रूट पर वाहन चलते रहेंगे। इससे एक तरफ यातायात पूरी तरह से ठप न हो और लोगों को आंशिक राहत मिल सके, इस बात का ध्यान रखा गया है। जब निर्माण कार्य आगे बढ़ेगा, तब दूसरे फेज में पाटलिपुत्र स्टेशन से दीघा फ्लाईओवर तक के रूट पर गाड़ियों का आवागमन रोका जाएगा। इस दौरान बेली रोड से पाटलिपुत्र स्टेशन तक वाहनों की आवाजाही फिर से शुरू कर दी जाएगी।

6 जनवरी को डीसीएलआर की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक प्रधान सचिव करेंगे राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

एजेंसी। पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से जुड़े कार्यों, कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए 6 जनवरी 2026 दिन मंगलवार को राज्यभर के भूमि सुधार उप समाहर्ताओं (डीसीएलआर) की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक प्रधान सचिव सीके अनिल की अध्यक्षता में कर्मयोगी कार्यशाला, राजस्व पर्षद में संपन्न होगी।बैठक दो पालियों में आयोजित की गई है। प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से 12:30 बजे तक होगी, जिसमें अरवल, औरंगाबाद, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, गया, जमुई, जहानाबाद, कैमूर, खगड़िया, लखीसराय, मुंगेर, नालंदा, नवादा, पटना, रोहतास एवं शेखपुरा जिलों के भूमि सुधार उप समाहर्ता भाग लेंगे। एद्वितीय पाली दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें अररिया, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, शिवहर, सीतामढ़ी, सीवान, सुपौल, वैशाली एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के डीसीएलआर शामिल होंगे। विशेष सचिव अरुण कुमार सिंह द्वारा सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिया गया है कि निर्धारित कार्यक्रम एवं समय के अनुसार अपने-अपने जिले में पदस्थापित भूमि सुधार उप समाहर्ता को बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लेने हेतु निर्देशित करें। बैठक में दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी समेत भूमि सुधार से संबंधित योजनाओं एवं विभागीय प्राथमिकताओं की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बिहार पुलिस का मिशन एनकाउंटर, सात महीनों में 15 मुठभेड़, दो ढेर और 14 को किया लंगड़ा

एजेंसी। पटना

पटना समेत पूरे बिहार में अपराध पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने अब सख्त और आक्रामक रणनीति अपनाई है। आम छापेमारी और गिरफ्तारी से आगे बढ़ते हुए पटना पुलिस और एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) अब सीधे मुठभेड़ों के जरिए कुख्यात अपराधियों को निशाना बना रही है। इसका ताजा उदाहरण शुक्रवार सुबह खगौल थाना क्षेत्र के लखपर में देखने को मिला, जहां इनामी अपराधी मैनेजर राय ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। बीते सात महीनों में हुई लगातार मुठभेड़ों ने यह साफ कर दिया है कि पुलिस अब पुरानी कार्यशैली से आगे निकल चुकी है। एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीमें योजनाबद्ध तरीके से ऐसे अपराधियों पर कार्रवाई कर रही हैं, जो वर्षों से गिरफ्तारी से बचते आ रहे थे। इन अपराधियों पर न केवल इनाम घोषित था, बल्कि इनके नेटवर्क कई राज्यों तक फैले हुए थे। पुलिस ने राजस्थान, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में दबिश देकर कई इनामी अपराधियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आंकड़ों पर नजर डालें तो जून 2025 से 2 जनवरी 2026 के बीच पुलिस ने कुल 15 मुठभेड़ें कीं। इनमें एक माओवादी और एक बदमाश को ढेर किया गया, जबकि 14 अपराधियों के पैर में जवाबी कार्रवाई के दौरान गोली मारी गई। इन कार्रवाइयों का असर साफ दिख रहा है। अपराधियों में भय का माहौल बन गया है और कई गिरोह के सदस्य बिहार छोड़कर दूसरे राज्यों में शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। हाल के दिनों में पुलिस ने कई हिस्ट्रीशीटर और कुख्यात अपराधियों को निशाना बनाया है।

37 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट, पारा गिरकर छह डिग्री तक पहुंचा

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड के साथ कोहरे का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य का मौसम शुष्क बना रहा, लेकिन घने कोहरे और गिरते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने राज्य के कई जिलों के लिए घने से बहुत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य का अधिकतम तापमान 17.2 से 24.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस किशनगंज में दर्ज किया गया। पूर्वी और दक्षिणी बिहार के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में 1 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि राज्य के अन्य क्षेत्रों में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। न्यूनतम तापमान 6.4 से 13.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया। भागलपुर के सबौर में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राज्य के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान लगभग स्थिर बना रहा। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार, अगले कुछ घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में घना से बहुत घना कोहरा छा सकता है। इसमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज और कटिहार जिले शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले सात दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, इस दौरान कोहरे और शीत दिवस जैसी स्थिति बनी रह सकती है।

तापमान को लेकर क्या कहता है पूवार्नुमान

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद कई स्थानों पर अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। वहीं न्यूनतम तापमान में अगले 24 घंटों में एक से तीन डिग्री की बढ़ोतरी के बाद फिर दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि घने कोहरे को देखते हुए बेहद जरूरी होने पर ही यात्रा करें। वाहन चलाते समय फॉग लाइट का इस्तेमाल करें, धीमी गति रखें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। कोहरे के कारण हवाई सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं।

घना कोहरा और शीत दिवस की चेतावनी

4 जनवरी: पश्चिमी और उत्तर-मध्य बिहार में शीत दिवस जैसी स्थिति के साथ घना कोहरा।

5 जनवरी: उत्तर और दक्षिण-पश्चिमी जिलों में घना कोहरा, राज्य के अधिकांश हिस्सों में शीत दिवस की आशंका।

6 और 7 जनवरी: उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी बिहार के कुछ इलाकों में कोहरा छाए रहने की संभावना।

बिहार में बनेंगे 572 मॉडल स्कूल, निजी स्कूलों से बेहतर शिक्षा देने की तैयारी

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने राज्य की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसी वर्ष राज्य में कुल 572 मॉडल स्कूल विकसित किए जाएंगे। इसके तहत प्रत्येक जिले में एक-एक और राज्य के सभी 534 प्रखंडों में एक-एक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा ऐसे स्कूलों की पहचान कर ली गई है और सभी जिलों से सूची भी प्राप्त हो चुकी है। अब स्थलीय जांच के बाद इसी महीने अंतिम रूप से मॉडल स्कूलों के नाम तय किए जाएंगे। मॉडल स्कूल के चयन के बाद इन विद्यालयों में आवश्यक संसाधनों का विकास किया जाएगा। शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन स्कूलों का संचालन पूर्ण रूप से मॉडल स्कूल के तौर पर शुरू हो जाए। सरकार की मंशा है कि ये मॉडल स्कूल न केवल सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करें, बल्कि निजी स्कूलों से भी बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करें। मॉडल स्कूलों की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, मेडिकल और अन्य प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।